वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 119 | रविवार 27 अगस्त 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राजस्थान सरकार गुड-बैड टच के बारे में बता रही

66 हजार स्कूलों में 60 लाख स्टूडेंट्स को 75 हजार टीचर्स ने दी ट्रेनिंग

जयपुर. कासं। राजस्थान सरकार द्वारा सुरक्षित स्कूल और सुरक्षित राजस्थान अभियान की शुरूआत की गई है। इसके तहत प्रदेश के 66 हजार से ज्यादा सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले 60 लाख से ज्यादा स्टूडेंट्स को गुड और बैड टच के बारे में अवेयर किया जा रहा है। इस अभियान की शुरूआत शनिवार को जयपुर के माहेश्वरी पब्लिक स्कूल से की गई। जहां शिक्षा विभाग के ACS नवीन जैन ने स्टूडेंट्स को गुड और बैड टच की जानकारी दी। नवीन जैन ने कहा कि प्रदेश के 75 हजार टीचर्स ने आज सरकारी स्कूलों में 1 लाख से ज्यादा सेशंस के माध्यम से 60 लाख से ज्यादा स्टूडेंट्स को गुड और बैड टच के बारे में अवेयर किया गया है। जल्दी यह अभियान प्रदेश के प्राइवेट स्कूलों में भी शुरू किया जाएगा जिसकी शुरूआत आज जयपुर के माहेश्वरी स्कूल से कर दी गई है क्योंकि बच्चे हर जगह के सेफ होने चाहिएं। आपके चेहरे पर चाहे वह सरकारी स्कूल की हो या फिर प्राइवेट स्कूल के स्टूडेंट सभी के लिए अभियान को शुरू किया गया है। गौरतलब है क शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित किए गए इस अभियान के बाद अब गुड टच और बैड टच अवेयरनेस प्रोग्राम को वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया जाएगा। दुनियाभर में पहली बार 60 लाख से ज्यादा बच्चों ने गुड टच और बैड टच की जानकारी एक साथ एक माध्यम से ली है। इसको लेकर फिलहाल प्रदेशभर के स्कूलों से डेटा कलेक्ट किया जा रहा है। इसके बाद वर्ल्ड रिकॉर्ड का आधिकारिक प्रमाण पत्र जारी होगा।

1200 अधिकारी और कार्मिकों को दिया विशेष प्रशिक्षण:

स्कूल शिक्षा विभाग के ACS नवीन जैन ने बताया कि शनिवार को नो बैग डे पर प्रदेश के सभी सरकारी स्कूलों के साथ महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल, कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय स्कूल और स्वामी विवेकानंद मॉडल स्कूलों में पढ़ने वाले स्टूडेंट्स के लिए इन विशेष प्रशिक्षण सत्रों का आयोजन किया जाएगा।

IPL की तरह शुरू हो रहे RPL का फॉर्मेट बदला

जयपुर में होगा फाइनल, खिलाड़ियों की मैच फीस में भी हो सकता है बदलाव

जयपुर. कासं। इंडियन प्रीमियर लीग की तर्ज पर राजस्थान में पहली बार शुरू होने जा रही राजस्थान प्रीमियर लीग का शुरू होने से पहले ही फॉर्मेट बदल गया है। फ्रेंचाइजी मॉडल पर शुरू होने वाली यह लीग अब स्पॉन्सरशिप मॉडल पर आयोजित होगी। इससे खिलाड़ियों की फीस में भी बदलाव हो सकता है। आरपीएल में राहुल चहर, दीपक चहर, खलील अहमद जैसे बड़े नाम भी खेलने वाले हैं। लीग में जयपुर और जोधपुर में 27 अगस्त से 10 सितंबर तक 19 मैच का आयोजन किया जाएगा।

इसमें शुरूआती मैच जोधपुर के बरकतुल्लाह खान स्टेडियम में आयोजित होगा, जबकि फाइनल मैच 10 सितंबर को जयपुर के सवाई मानसिंह (एसएमएस) स्टेडियम में खेला जाएगा। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के सेक्रेटरी भवानी सामोता ने बताया- भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के आदेश के बाद लीग के फॉर्मेट में बदलाव किया गया है। क्योंकि किसी भी लीग के आयोजन से 45 दिन पहले सभी डॉक्यूमेंट और जानकारी भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड को देने होते हैं। फ्रेंचाइजी मॉडल में जो खरीदार थे, उनकी भी जानकारी देनी थी। इसके बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की टीम उनकी जांच करती है। इसके बाद ही लीग का आयोजन संभव हो पाता है। वक्त की कमी के चलते यह प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई। इसके बाद अब स्पॉन्सरशिप मॉडल पर लीग का आयोजन किया जा रहा है। ऐसे में अब स्पॉन्सरशिप मॉडल लागू होने के बाद खिलाड़ियों का सिलेक्शन, उनका खर्चा, ट्रेनिंग और प्रैक्टिस जैसे सभी काम राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा किए जाएंगे।

20 दिन में दो गुने हुए डेंगू के केस, अब तक 2268 से ज्यादा मरीज चपेट में

जयपुर. कासं। राजस्थान में मानसून के आगमन के साथ मच्छर से होने वाली बीमारियां तेजी से बढ़ने लगी है। राज्य में पिछले 20 दिन के अंदर डेंगू-मलेरिया और चिकनगुनिया केस दो गुने हो गए। इसमें सबसे ज्यादा मरीज डेंगू के मिले हैं। इस कारण अब हॉस्पिटलों में एडमिशन भी बढ़ गए हैं। वहीं, चार लोगों की मौत हो चुकी है। मेडिकल हेल्थ डिपार्टमेंट से मिली एक रिपोर्ट के मुताबिक राज्य में इस सीजन में पूरे प्रदेश में अब तक 2268 केस डेंगू के, 1056 मरीज मलेरिया के जबकि 99 केस चिकनगुनिया के आ चुके है। राजस्थान में 20 दिन पहले यानी 4 अगस्त की रिपोर्ट देखे तो कुल 1090 केस ही डेंगू के थे। जो अब बढ़कर 2268 से ज्यादा हो गए। हेल्थ डिपार्टमेंट के अधिकारियों के मुताबिक प्रदेश के सभी जिलों में एएनएम, आशा सहयोगिनियों की टीमें घर-घर सर्वे कर रही है। ऐसे लोग जिनमें डेंगू-मलेरिया के लक्षण दिख रहे हैं। उन्हें तुरंत इलाज के लिए डॉक्टर के पास जाने की सलाह दी जा रही है। एसएमएस के डॉक्टरों के मुताबिक इन दिनों अगर किसी व्यक्ति के तेज बुखार, सर दर्द, चेहरे या शरीर पर लाल लाली आना जैसे लक्षण दिखाई दे तो उन्हें तुरंत डॉक्टर को दिखाना चाहिए। ताकि डेंगू प्रोफाइल IGM और IGG की जांच करके पता चल सके कि उसके डेंगू है या नहीं। विशेषज्ञों के मुताबिक अगर किसी मरीज के डेंगू हो गया है। वह घर पर इलाज ले रहा है तो उसे दिन में कम से कम एक बार कंप्लीट ब्लड काउंट (सीबीसी) की जांच करवानी चाहिए। इससे मरीज के ब्लड में मौजूद प्लेटलेट्स की काउंटिंग पर नजर रखी जा सके।

जयपुर में सबसे ज्यादा केस

राजस्थान में जिलेवार स्थिति देखें तो सबसे ज्यादा डेंगू के केस जयपुर में 486 से ज्यादा मरीज मिल चुके हैं। जबकि सबसे कम 1 केस जालोर में डिटेक्ट हुआ है। इसी तरह मलेरिया के सबसे ज्यादा केस बाड़मेर में 681 डिटेक्ट हुए है, जबकि सवाई माधोपुर, धौलपुर, बूंदी में मलेरिया का एक भी केस नहीं मिला है। चिकनगुनिया के सबसे ज्यादा 40 मरीज जयपुर में मिले है। इन दिनों अचानक डेंगू के मरीज बढ़ने के साथ ही जयपुर के सरकारी हॉस्पिटलों के ब्लड बैंक में ब्लड और खासकर प्लेटलेट्स की भी कमी होने लगी है। जयपुर में 2 और टोंक-झुंझुनूं में एक-एक मरीज की मौत हुई है।

सावन रा सिंधारा झुला उत्सव मैया जीण भवानी के संग

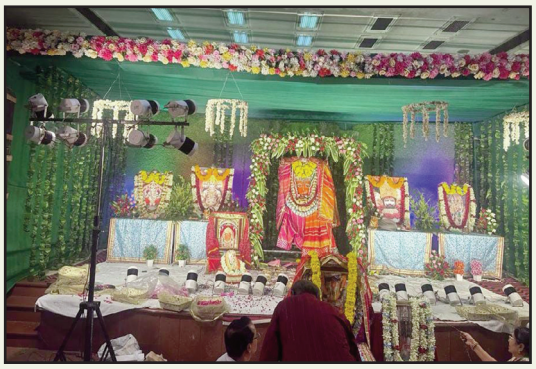

जयपुर. शाबाश इंडिया

आदि शक्ति जीणमाँ मानव सेवा संघ समिति जयपुर के तत्वावधान में बनीपार्क धर्मार्थ संस्थान के प्रांगण में मैया जीण भवानी का छठवां सिंधारा झुलौत्सव धूमधाम के साथ मनाया। समिति के कृष्ण कुमार दुसाद ने बताया ने बताया कि मैया जीण भवानी के भक्तों ने ह्यह्यसावन में सिंधारा उत्सव मैया जीण भवानी के संगह्यह्य मनाया। इस मौके पर समिति की ओर से कोलकाता के फूलों से जीण माता का अलौकिक श्रृंगार नरेश खदरिया व प्रमिला दुसाद ने दरबार सजाया गया और अखण्ड ज्योति प्रज्वलित कर जीण मैया को छप्पन भोग मनोज अग्रवाल ने अर्पित किया। जीण माता के मंगलपाठ कमल अग्रवाल, आमंत्रित वाचक शरद शर्मा व अंजू शर्मा ने अपनी मधुरवाणी से भक्तो को मंगलपाठ के साथ साथ उत्सवों के आनन्द देते हुए भक्तों को रिझा दिया, जिस पर भक्तो ने खूब नाचते गाते हुए जमकर आनन्द लिए। उन्होंने बताया कि झूले पर विराजमान जीण मैया को भक्तों ने झुलाते हुए अपने मन को प्रफुल्लित किया। इस मौके पर श्याम भजनों की रस गंगा आमंत्रित भजन गायक नीरज गोस्वामी बरसाते हुए भक्तो को और आनंदमई कर दिया।

बर्थडे सेलिब्रेशन में पौधा गिफ्ट कर दिया पर्यावरण बचाने का संदेश

जयपुर. शाबाश इंडिया

झोटवाड़ा निवारू रोड, गणेश नगर मेन में स्थित बचपन स्कूल में बच्चों का बर्थडे सेलिब्रेशन आयोजित किया गया। इस बर्थडे सेलिब्रेशन पर स्कूल की प्रिंसिपल मीनाक्षी खण्डेलवाल ने पर्यावरण का संदेश देते हुए सभी बच्चों को

उनकी फोटो वाले पोर्ट के साथ पौधा गिफ्ट किया। इस सेलिब्रेशन के मौके पर उन्होंने पर्यावरणवीद -समाज रत्न सम्मान एवं वूमेन रिकॉग्निशन अवार्ड की विजेता दीप कंवर को बतौर चीफ गेस्ट आमंत्रित किया।कार्यक्रम में चीफ गेस्ट बनी सोशल इनफ्लुएंसर एवं पर्यावरणविद दीप कंवर ने सभी बच्चों एवं स्टाफ को पर्यावरण संरक्षण का संकल्प दिलाया। उन्होंने स्कूल के डायरेक्टर राजेश गुप्ता एवं श्रीमती उमा गुप्ता एवं प्रिंसिपल मीनाक्षी खंडेलवाल को इस अनोखे अंदाज में स्कूल के बच्चों का बर्थडे सेलिब्रेशन की प्रशंसा करते हुए आमंत्रित करने के लिए आभार व्यक्त किया। दीप कंवर ने कहा पर्यावरण हम सब की साझी धरोहर है। शहरीकरण के चलते जंगल काटे जा रहे हैं इसे प्रकृति का संतुलन बिगड़ रहा है ऐसे में पौधे लगाना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है इस कार्यक्रम में अक्षिता गुप्ता, डिंपल शेखावत, मीरा, चंचल एवं नीतू

अहिंसा के पुजारी और भक्तों भगवान थे लोकमान्य संत रूप मुनि : साध्वी प्रितीसुधा

निलिष्का जैन. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। पंचदिवस जंयती कार्यक्रम के अर्तगत चतुर्थ दिवस अहिंसा भवन शास्त्री नगर मे महासती प्रितीसुधा,साध्वी मधुसुधा नवदिक्षीता संयम सुधा के सानिध्य में लोकमान्य संत रूपमुनि महाराज के 98 वें जन्मोत्सव पर अनेक भाई और बहनों ने तीन सामायिक के साथ रात्रि भोजन सकल्प लियें ।इसदौरान साध्वी प्रितीसुधा लोक मान्य संत के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि दुनिया जन्म सभी लेते है। लेकिन दूसरों के लिए जो जीता है ऐसी आत्मा संसार मे भगवान ही हो सकती है। रूपचन्द जी महाराज ने अपना सम्पूर्ण जीवन लोक कल्याण और जीवों की रक्षा के लिए गौशालाए और होस्पिटल, स्थानक स्कूल कॉलेज आदि खुलवाये। गूरूदेव का सिंफ एक लक्ष्य था कोई भी जीव हो या मनुष्य वह भूखा नही सोयें।अंहिसा के पुजारी और छत्तीस कौम के भगवान थे। रूप मुनि के पास गरीब से गरीब और अमीर से अमीर एवं कहीं राजनेता अपने जीवन के दुःख दर्द और समस्याओ को लेकर आते और हंसते मुस्कुराते हुए विदा होते थे।उनका व्यवहार सभी के प्रति सम्मान था। गुरूदेव ने साधना के द्वारा कही लब्दिया और सिध्दीया प्राप्त थी । उन सिध्दीयो और लब्दियो से लाखों भक्तों का भला किया और उन्हे अहिंसा का मार्ग बताया। अहिंसा भवन अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह बाबेल,अशोक पोखरना हेमन्त आचंलिया सुशील चपलोत आदि सभी ने रूपमुनि महाराज के जन्मदिन पर अपने विचार व्यक्त हुये उन्होंने याद किया। निलिष्का जैन बताया कि रविवार को मरूधर केसरी मिश्रीमल जी महाराज के समारोह मे गुणगान गायें जाएगे।देश क्षैत्रों के गणमान्य पदाधिकारीयो श्रध्दांलूओ की उपस्थिति रहेगी ।

नेट थियेट पर गुलजार हुई गुलजार की कहानी, नाटक रावी पार में दिखी विभाजन की त्रासदी

जयपुर. शाबाश इंडिया। नेटथियेट कार्यक्रम की श्रृंखला में आज कलंदर संस्था द्वारा प्रसिद्ध गीतकार गुलजार की कहानी पर आधारित नाटक रावी पार में अभिनेताओं ने अपने अभिनय से विभाजन की त्रासदी को सशक्त रूप से दर्शाया। नेट थियेट के राजेंद्र शर्मा राजू ने बताया की नाटक का निर्देशन वरिष्ठ रंगकर्मी रूचि भार्गव ने किया। रावी पार नाटक में टूटने का सदमा, छूटने का दर्द, बिछड़ने की टीस, विभाजन की घुटन, बिखरने की पीड़ा और वेदना कुरेद देती है, आज भी विभाजन की पीड़ा प्रत्येक हिंदुस्तानी को निचोड़ कर रख देती है। कहानी दर्शन सिंह के परिवार की है, जो पाकिस्तान में दंगे भड़कने के कारण हिन्दुस्तान आ जाता है, इस यात्रा में एक बच्चा बीमार होने के कारण खत्म हो जाता है, बीवी को पता न चले इस लिए जल्दीबाजी में जिंदा बच्चे को रावी नदी में फेंक देता है। गुलजार की कहानी रावी पार एक बार उसी दौर में ले जाएगी और शायद सोचने पर मजबूर कर देगी। नाटक में तितिक्षु राज, प्रियांशु पारीक, ऋचा शर्मा, देवेश शर्मा,गौरव राठौर, भव्य जैन, कृतिका दिवाकर, वैभव दीक्षित, भूपेंद्र परिहार, सुनीता चौधरी , सरगम भटनागर, दशरथ दान, दीक्षांक शर्मा, जयपाल चौधरी, कनिष्क शेखर, विशाल जागरवाल ने अपने अभिनय से विभाजन की त्रासदी को बड़ी ही संवेदनशीलता से प्रस्तुत कर दर्शकों पर अपनी छाप छोड़ी। कार्यक्रम संयोजक नवल डांगी और नाटक में प्रकाश व्यवस्था संभाली राजीव मिश्रा ने तथा संगीत दिया भानू ने।

भारत गौरव पूज्य गणिनी प्रमुख 105 श्री ज्ञानमती माताजी से वर्चुअल माध्यम से जुड़ सुने आशीर्वचन , पूजन के दौरान सहस्रनाम के 108 अर्ध चढ़ाए

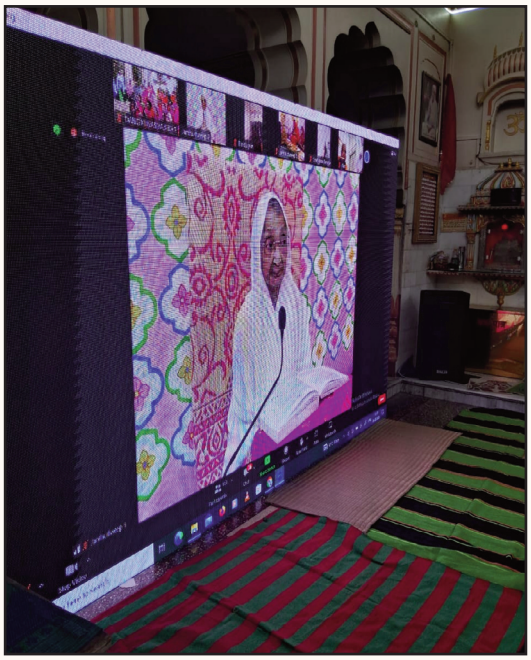

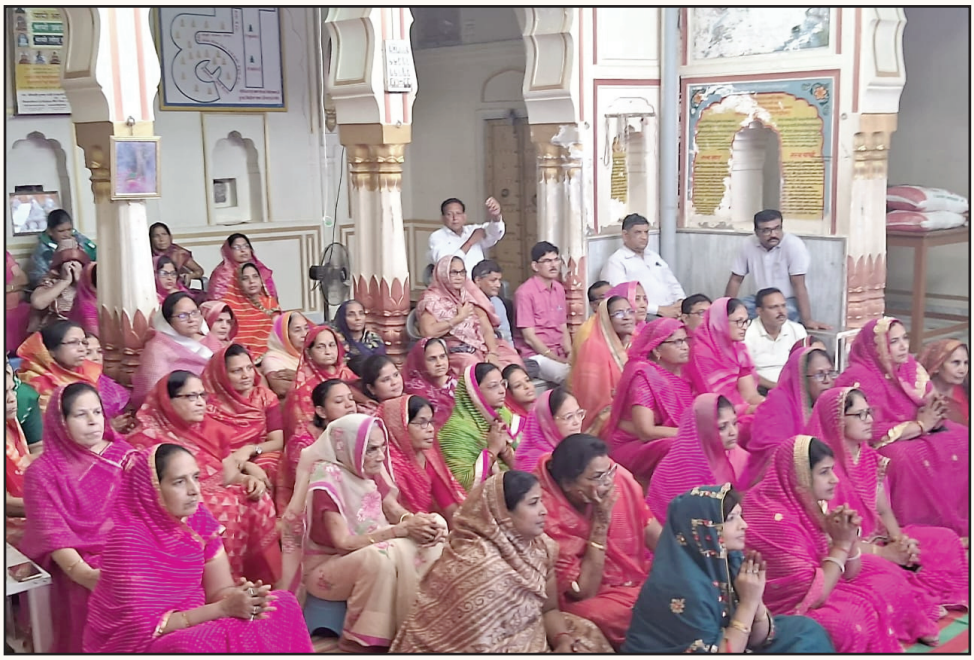

वी के पाटोदी. शाबाश इंडिया।

सीकर। शनिवार को बजाज रोड़ स्थित दंग की नसियां मंदिर जी में वर्चुअल माध्यम से जैन समाज के धर्मावलंबियों को अयोध्या में विराजित भारत गौरव पूज्य गणिनी प्रमुख 105 श्री ज्ञानमती माताजी का आशीर्वचन प्राप्त करने का अवसर प्राप्त हुआ ।अयोध्या नगरी जहां अनादिकाल से अनंत तीर्थंकरों ने जन्म लिया तथा वर्तमान में जो भगवान ऋषभदेव आदि 5 तीर्थंकरों की जन्मभूमि है , ऐसे महातीर्थ अयोध्या में विराजित भारत गौरव पूज्य गणिनी प्रमुख 105 श्री ज्ञानमती माताजी के सान्निध्य में आयोजित इस विशेष धार्मिक आयोजन में सर्वप्रथम गुरु मां ज्ञानमती माताजी का आशीर्वचन प्राप्त हुआ । कमेटी के संतोष बिनायक्या व आशीष जयपुरिया ने बताया कि आशीर्वचन के पश्चात सीकर शहर के समस्त जैन मंदिरों के दर्शन करवाए गए । इसके पश्चात सहस्रनाम के 108 अर्ध चढ़ाए गए । भारत गौरव पूज्य गणिनी प्रमुख 105 श्री ज्ञानमती माताजी ने सीकर से जुड़ी अपनी 1961 के सीकर चातुर्मास से जुड़ी बातों को भी सभी को बताया । प्रवक्ता विवेक पाटोदी ने बताया कि गणिनि आर्यिका श्री चंदनामती माताजी के मार्गदर्शन एवं पीठाधीश स्वस्ति श्री रवीन्द्रकीर्ति स्वामीजी द्वारा अयोध्या से कार्यक्रम का संचालन किया गया । कार्यक्रम में सीकर के विद्वान पंडित जयंत शास्त्री द्वारा विन्यांजली प्रस्तुत की गई । श्री दिगंबर जैन बीस पंथ आमनाय सीकर द्वारा यह कार्यक्रम आयोजित किया गया ।

श्री महावीर कॉलेज में "शपथ ग्रहण समारोह" एवं "इंटरा कॉलिजिएट बैडमिंटन टूर्नामेंट" का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री महावीर कॉलेज में शनिवार दिनांक 26 अगस्त 2023 को कॉलेज परिसर में ''शपथ ग्रहण समारोह'' एवं ''इंटरा कॉलिजिएट बैडमिंटन टूर्नामेंट'' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रो अमला बत्रा पूर्व प्राचार्या महारानी कॉलेज एवं कॉलेज प्राचार्य डॉ आशीष गुप्ता द्वारा किया गया। शपथ ग्रहण समारोह में सभी कक्षाओं के प्रतिनिधियों एवं कॉलेज द्वारा बनाये गये क्लबों जैसे टैक्नो, स्पोर्ट्स, कल्चरल, लिटरेरी, कॉमर्स, कॉर्पोरेट रिसोर्स सैल, मीडिया एंड फोटोग्राफी, एन एस एस और रोटेरेक्ट क्लब के विद्यार्थियों को बेच देकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम का उददेश्य विद्यार्थियों को उनके कार्यों के उत्तरदायित्वों के बारे में जानकारी प्रेषित करना था। इस कार्यक्रम में प्रो. अमला बत्रा ने अपने अभिभाषण द्वारा सभी छात्र छात्राओं को शुभकामनायें देते हुये सभी पदाधिकारियों को उनकी जिम्मेदारियों से अवगत कराया। बैडमिंटन टूर्नामेंट कॉलेज के जूनियर्स और सीनीयर्स के मध्य खेला गया। महावीर दिगंबर जैन शिक्षा परिषद के अध्यक्ष उमरावमल संघी, मानद मंत्री सुनील बख्शी, कोषाध्यक्ष महेश काला ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं प्रेषित की।

वेद ज्ञान

विवेक न हो तो अहंकार जन्म लेता है

मनुष्य को सबसे अधिक चिंता दूसरों की राय के संदर्भ में होती है। लोग उसे गुणी, बुद्धिमान, समर्थ मानें और समाज में उसके मान-सम्मान पर कोई आंच न आए, इसे वह सबसे अधिक महत्व देता है। यह चिंता जितनी दृढ़ होती जाती है, मनुष्य अपने प्रति उतना ही अधिक संवेदनशील होता जाता है। यह संवेदनशीलता ही अहंकार की जनक है। गुण, धन, शक्ति और सामर्थ्य के साथ यदि विवेक जुड़ जाए तो मनुष्य इनका सदुपयोग करते हुए सच के मार्ग पर चल पड़ता है। विवेक न हो तब स्वयं के प्रति चिंता और संवेदनशीलता सीमाएं लांघ जाती है और अहंकार जन्म लेता है। अहंकार की राह में आने वाला हर कारण मनुष्य के क्रोध का कारण बनता है। विवेक है तो सहजता आती है और मान-अपमान, हर्ष-विषाद, ऊंच-नीच जैसे प्रश्न गौण होते जाते हैं। यह समझ में आने लगता है कि उसके हाथ कुछ भी नहीं है। सब कुछ ईश्वर के अधीन है और वह उसका पालक, पोषक और हित चाहने वाला है। वह जो कुछ कर रहा है इसी में मनुष्य का हित है। यह विचार उसे किसी भी स्थिति के लिए तैयार रहने और उसे स्वीकार करने योग्य बना देता है। उसे ईश्वर ने राज-पाट दे दिया है तो ठीक, यदि उससे भीख मंगवा रहा है तो उसमें भी ऐसा मनुष्य प्रसन्न रहता है। उसे ईश्वर के हुक्म की चिंता होती है। उसकी स्वयं की कामनाएं पीछे छूट जाती हैं। विवेक नहीं है तो अपनी लालसाएं आगे-आगे चलती हैं और उन्हें बचाने के लिए मनुष्य कोई भी कुकर्म और अपराध करने के लिए तैयार हो जाता है। वह चाहता है कि उसका मार्ग अवरोधमुक्त हो। वह जैसा चाहता है वैसा हो। जैसा वह सोचता है लोग वैसा ही सोचें और कोई चुनौती उसके सामने न टिक सके, किंतु ऐसा होना असंभव है। बड़े-बड़े राजा, महाराजा, शक्तिशाली और धनवान, विद्वान संसार में आए और चले गए। अहंकार किसी का भी तुष्ट नहीं हुआ, लालसाएं किसी की भी पूरी नहीं हुईं और वे क्रोध में बह गए। यही उनके विनाश का कारण बना।

संपादकीय

दो चरणों में बोर्ड परीक्षा से बच्चों को मिलेगी राहत

परीक्षा का तनाव पिछले कुछ सालों से बच्चों में कुछ अधिक देखा जा रहा है। खासकर बोर्ड परीक्षाओं को लेकर बहुत सारे बच्चों का आत्मविश्वास डगमगा जाता है। परीक्षा परिणामों के बाद तो और चिंताजनक स्थिति देखी जाती है। ऐसे में वर्षों से उपाय तलाशे जा रहे थे कि किस तरह विद्यार्थियों में परीक्षा का तनाव कम किया जा सके। इसके मद्देनजर पहले पाठ्यक्रम का बोझ कम किया गया, फिर प्रश्नपत्रों को व्यावहारिक और अपेक्षाकृत आसान बनाया गया। मगर फिर भी विद्यार्थियों पर बोर्ड परीक्षाओं का मनोवैज्ञानिक दबाव कम करने में अपेक्षित सफलता नहीं मिल पाई। इसलिए नई शिक्षा नीति घोषित करने के साथ ही घोषणा कर दी गई कि बोर्ड की परीक्षाएं दो चरण में आयोजित होंगी। अब शिक्षा मंत्रालय ने इसकी रूपरेखा पेश कर दी है। नई पाठ्यचर्या की घोषणा भी कर दी गई है। माना जा रहा है कि इस तरह विद्यार्थियों पर परीक्षा का मनोवैज्ञानिक दबाव कम होगा और उन्हें अपना प्रदर्शन

सुधारने का मौका दो बार मिलेगा। दो चरण में परीक्षा होने से विद्यार्थी पर परीक्षा की तैयारी करने का दबाव भी कम होगा, क्योंकि पहले चरण में पाठ्यक्रम के जिस अंश की वह परीक्षा दे चुका होगा, उससे दूसरे चरण में प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे। इस तरह विद्यार्थी में परीक्षा की तैयारी की निरंतरता भी बनी रहेगी। हालांकि परीक्षा का तनाव कम करने के मकसद से पहले ही दसवीं और बारहवीं में विद्यार्थियों के स्कूली प्रदर्शन को भी उनके मूल्यांकन से जोड़ दिया गया था। इस तरह उन्हें बोर्ड परीक्षा के साथ-साथ विद्यालयी प्रदर्शन के अंक भी मिल जाते थे। दसवीं में केवल उसी साल के पाठ्यक्रम से सवाल पूछे जाते हैं, जबकि नौवीं का मूल्यांकन स्कूल खुद करता है। इस तरह पहले से ही बच्चों में बोर्ड परीक्षाओं का भय समाप्त करने का प्रयास चल रहा है। अब दो चरण में परीक्षा होने से उन्हें मनोवैज्ञानिक राहत मिलेगी। इसमें नई पाठ्यचर्या भी उनकी काफी मदद करेगी, क्योंकि इसमें अब बच्चों को अपने परिवेश से सीखने और अपनी रुचि के पाठ्यक्रम का चुनाव करने का अवसर उपलब्ध होगा। अभी तक पाठ्यक्रम ऊंची नौकरियों और प्रतियोगी परीक्षाओं को ध्यान में रख कर तैयार किया जाता था, जबकि अब बच्चों के कौशल विकास पर अधिक जोर होगा। इस तरह पाठ्यक्रम के प्रति बच्चों में रुचि पैदा करने का प्रयास किया जा रहा है। दरअसल, बहुत सारे विद्यार्थियों में परीक्षाओं को लेकर भय इसलिए पैदा होता है कि उन्होंने ठीक से पढ़ाई नहीं की होती है। ठीक से पढ़ाई वही विद्यार्थी नहीं कर पाते हैं, जिनकी पाठ्यक्रम में रुचि नहीं होती। वे अभिभावक और स्कूल के दबाव में पढ़ रहे होते हैं। उनका मन कुछ और करने-पढ़ने का होता है। ऐसे बच्चों के लिए नए पाठ्यक्रम में चुनाव के बेहतर विकल्प होंगे। जो बच्चे बेहतर रोजगार के लिए या फिर ऊंची तकनीकी उपलब्धि की मंशा से पढ़ाई कर रहे होते हैं, उनके लिए भी पहले की तरह सीखने-पढ़ने के अवसर होंगे। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

किसकी है लापरवाही?

भारतीय कुश्ती महासंघ के चलते एक बार फिर भारत को खेल की दुनिया में किरकिरी झेलनी पड़ रही है। संयुक्त विश्व कुश्ती यानी यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग ने भारतीय कुश्ती महासंघ की सदस्यता निलंबित कर दी है। ऐसा उसने भारतीय कुश्ती महासंघ का चुनाव न हो पाने की वजह से किया है। हालांकि यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग यानी यूडब्लूडब्लू ने करीब तीन महीने पहले ही पत्र लिख कर चेतावनी दे दी थी कि भारतीय कुश्ती महासंघ पैंतालीस दिनों के भीतर अपने पदाधिकारियों का चुनाव करा ले, नहीं तो उसकी सदस्यता रद्द की जा सकती है। कुश्ती महासंघ के पदाधिकारियों का चुनाव कायदे से जून महीने में ही हो जाना चाहिए था, मगर कुछ अड़ंगेबाजियों और खेल मंत्रालय की शिथिलता के चलते नहीं हो सका। पहले असम कुश्ती संघ इन चुनावों पर रोक लगाने का अदालती आदेश लेकर आ गया, फिर हरियाणा कुश्ती संघ ने इस पर रोक लगवा दी। फिलहाल कुश्ती महासंघ का कामकाज भारतीय ओलंपिक संघ के पदाधिकारी देख रहे हैं। यूडब्लूडब्लू के ताजा फैसले के बाद भारतीय पहलवानों के सामने एक नया संकट खड़ा हो गया है। अब वे भारतीय झंडे के नीचे नहीं खेल सकेंगे। उन्हें तटस्थ खिलाड़ी की तरह यूडब्लूडब्लू के झंडे तले खेलना पड़ेगा। अगले महीने से सर्बिया में ओलंपिक के लिए विश्व कुश्ती चैंपियनशिप शुरू हो रही है। छिपी बात नहीं है कि राजनीतिक रस्साकशी के चलते भारतीय कुश्ती महासंघ और उसके खिलाड़ियों को यह दिन देखना पड़ रहा है। इस साल फरवरी में जब महिला पहलवानों ने कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह पर यौन शोषण का आरोप लगाया और धरने पर बैठ गईं, तभी खेल मंत्रालय से इस मामले में निष्पक्ष कार्रवाई की उम्मीद की गई थी। तब मंत्रालय कुछ सक्रिय भी नजर आया था। बृजभूषण शरण सिंह को तदर्थ रूप से उनके पद से हटा कर एक समिति गठित कर दी गई थी, जो पहलवानों की शिकायतों का निपटारा करने वाली थी। मगर वह समिति न केवल निष्क्रिय बनी रही, बल्कि महिला पहलवानों के खिलाफ नजर आने लगी थी। इससे नाराज पहलवान फिर से धरने पर बैठ गए और वह लंबा खिंचता चला गया। सरकार की तरफ से कोई सकारात्मक पहल नहीं हो सकी, बल्कि पहलवानों को धरना वापस लेने पर मजबूर किया जाता रहा। सरकार का झुकाव बृजभूषण शरण सिंह की तरफ नजर आता रहा। आखिरकार सर्वोच्च न्यायालय के दखल से महिला पहलवानों की प्राथमिकी दर्ज की गई, मगर दिल्ली पुलिस की जांच निष्क्रिय बनी रही। आखिरकार पहलवानों के धरने को कुचल दिया गया। महिला पहलवानों के साथ सरकार और प्रशासन के ऐसे व्यवहार को लेकर दुनिया भर में अंगुलियां उठी थीं। यूडब्लूडब्लू ने तब भी कहा था कि सरकार इस मामले को जल्दी सुलझाए और महिला पहलवानों की गरिमा को सुरक्षित रखे। मगर कोई सकारात्मक पहल नहीं देखी गई। यह भी छिपी बात नहीं है कि कुश्ती महासंघ के पदाधिकारियों के चुनाव में देरी के पीछे यही राजनीतिक मंशा काम करती रही। हालांकि बृजभूषण शरण सिंह को फरवरी में ही उनके पद से हटा दिया गया था, फिर उनका कार्यकाल में मई में समाप्त हो गया। ऐसे में चुनाव की प्रक्रिया तभी शुरू हो जानी चाहिए थी, मगर शायद कुछ लोगों को उम्मीद रही होगी कि बृजभूषण शरण सिंह पर लगे आरोप जल्दी ही हट जाएंगे और वे फिर से अपने पद पर वापस आ जाएंगे।

सुहाग दशमी पर की महिलाओं ने पूजा

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर त्रिवेणी नगर में शनिवार को सुहाग दशमी का पर्व भक्ति भाव से मनाया इस अवसर पर प्रात : महिलाओं ने भगवान की शांति धारा व अभिषेक देखें व सुहाग दशमी की पूजा अर्चना कर अपने सुहाग की लम्बी उम्र की कामना की । ततपश्चात सुहाग की कथा सुनी । सभी महिलाएं लहरिया में सज धज कर आई ।

वृक्ष मानव जीवन की संजीवनी, एंबीशन किड्स एकेडमी में पौधरोपण हुआ

जयपुर. शाबाश इंडिया

पेड़ पौधे की महत्वता को समझने के लिए एंबीशन किड्स एकेडमी में शनिवार को सभी विद्यार्थियों के लिए वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सभी विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया ।इस अवसर पर बच्चे भी तरह तरह के पौधे लेकर आये । कार्यक्रम के प्रथम चरण में प्राचार्या डॉ . अलका जैन ने विस्तृत रूप में वृक्ष की महत्तता निम्न प्रकार से प्रस्तुत की-मनुष्य और प्रकृति का संबंध सनातन है । प्रकृति मनुष्य की सहचरी है । दोनों एक दूसरे के पूरक तथा पोषक है । मनुष्य ने प्रकृति में जन्म लिया है तथा उसके संरक्षण में पला -बड़ा है ।इसी प्रकार पेड़ पौधे भी मनुष्य के संरक्षण में पलते बढ़ते हैं ।प्रकृति ने मनुष्य की अनेक प्रकार की अनिवार्य आवश्यकताओं की पूर्ति की है । मनुष्य जीवन पर्यंत से वृक्षों पर आश्रित रहता है ।पेड़ पौधे हमारे लिए बहुत महत्व रखते हैं क्योंकि यह हमारे जीवन का मूल आधार है । पेड़ पौधों से हमें ऑक्सीजन एक प्राण वायु के रूप में प्राप्त होती है ।पेड़ पौधे कार्बन डाई ऑक्साइड को ग्रहण करके हमें आक्सीजन प्रदान करते हैं । वृक्ष न केवल प्रदूषण को नियंत्रित करते हैं बल्कि मिट्टी कटाव को भी रोक कर वर्षा में मददगार साबित होते हैं। भूमि की उर्वरकता को बनाए रखने में भी इनका महत्वपूर्ण योगदान है। जंगली जानवरों को संरक्षण प्रदान करने में तथा भू स्वखलन,भूकंप, सूखा, बाढ़ जैसी प्राकृतिक विपदाओं को रोकने में भी पेड़ पौधे सहायक होते हैं ।पेड़ पौधों के बिना हम अपने जीवन की कल्पना भी नहीं कर सकते।पेड़ पौधों से कई प्रकार की औषधियां भी प्राप्त होती है जिनसे अनेक प्रकार की दवाइयों का निर्माण किया जाता है ।यह ईंधन के लिए भी एक अच्छा स्रोत है। पेड़ों से प्राप्त फलों में कई प्रकार के विटामिंस मिनरल्स आदि पाए जाते हैं जो मनुष्य के लिए अति आवश्यक है । पेड़ पौधों का जड़, तना, पत्ते , फल -फूल सभी हमारे लिए उपयोगी होते हैं । ये हमारे पृथ्वी का श्रृंगार भी करते हैं और उसे हरी भरी बनाए रखने में सहयोग देते हैं । मनुष्य ही नहीं अपितु संसार के सभी जीव जंतुओं का जीवन पेड़ पौधों पर ही निर्भर रहता है। पेड़ पौधे पृथ्वी के वैश्विक तापमान को कम करने में भी सहायक होते हैं । पशु पक्षी के लिए भी पेड़ पौधे निवास स्थान का काम करते हैं। उन्हें छाया , फल , रहने के लिए स्थान आदि प्रदान करते हैं। पेड़ की लड़कियों से कई प्रकार के फर्नीचर भी बनाए जा सकते हैं और पेड़ों से प्राप्त कॉटन के माध्यम से ही हम उसे धागे में परिवर्तित कर कपड़े का निर्माण कर पाते हैं । आज बढ़ती हुई जनसंख्या की आवास संबंधी कठिनाई के कारण तथा उद्योग धंधों के लिए भूमि की कमी को पूरा करने के लिए वनों की अंधाधुंध कटाई की जा रही है । दूसरी ओर ईंधन ,सजावट इत्यादि के लिए लकड़ी का प्रयोग भी बढ़ने लगा है और धड़ाधड़ पेड काटे जाने लगे हैं ।

मूक पशुओं के रक्षक, मानवता के मसीहा, सेवा व करूणा के सागर थे रूपचंदजी म.सा.: इन्दुप्रभाजी म.सा.

गुरूदेव का पूरा जीवन ही मार्गदर्शक, जैन धर्म व जिनशासन की महिमा बढ़ाई

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। लोकमान्य संत शेरे राजस्थान वरिष्ठ प्रवर्तक रूपचंदजी म.सा. ऐसे महापुरूष थे जिन्होंने न केवल मानव सेवा के लिए बल्कि लाखों मूक पशुओं की रक्षा के लिए भी स्वयं को समर्पित कर दिया। उनके उपकारों को चंद शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। जीव दया के प्रबल प्रेरक होने के साथ परोपकार ओर सेवा उनके जीवन के अभिन्न अंग बन गए थे। उनके गुणों को जितना गुणगान किया जाए कम होगा। ये विचार भीलवाड़ा के चन्द्रशेखर आजादनगर स्थित रूप रजत विहार में शनिवार को श्री अरिहन्त विकास समिति के तत्वावधान में मरूधर केसरी मिश्रीमलजी म.सा. की 133वीं जयंति एवं एवं लोकमान्य संत शेरे राजस्थान रूपचंदजी म.सा. की 96वीं जयंति के उपलक्ष्य में अष्ट दिवसीय गुरू द्वय पावन जन्मोत्सव के तीसरे दिन मरूधरा मणि महासाध्वी श्रीजैनमतिजी म.सा. की सुशिष्या महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. के सानिध्य में गुरू रूपचंदजी म.सा. के जन्म जयंति समारोह में उभरकर आए। समारोह में साध्वीवृन्द के साथ श्रावक-श्राविकाओं ने भी गुरू गुणानुवाद किया तो 102 श्रावक-श्राविकाओं ने सामूहिक तेला तप कर गुरू के चरणों में भावाजंलि अर्पित की। समारोह में महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. ने कहा कि गुरू के गुणों का न तो आदि न अंत है। उनके प्रति मन की भावनाओं को व्यक्त करने के लिए शब्द नहीं मिलते है। उन्होंने अपने कार्यो से जिनशासन की महिमा बढ़ाई ओर वह ऐसे संत थे जिनका सम्मान जैन ही नहीं 36 ही कौम के लोग करते थे। वह मूक पशुओं के रक्षक, मानवता के मसीहा होने के साथ सेवा व करूणा के सागर थे। जो उनके चरणों में आया वह उनका भक्त बनकर रह गया। धर्मसभा में आगम मर्मज्ञा डॉ. चेतनाश्रीजी म.सा. ने कहा कि गुरूदेव का पूरा जीवन ही मार्गदर्शक है। उन्होंने धर्म व जिनशासन की महिमा बढ़ाई। जप, तप, साधना के बल पर उन्होंने जीवन में ऐसे चमत्कार किए जिनसे पीड़ित मानवता की सेवा के साथ लाखों मूक पशुओं को अभयदान मिला। उन्होंने गुरूदेव की जन्मस्थली नाडोल में आशापुरा माता के सामने बकरों की बलि चढ़ाने की प्रथा किस तरह बंद हुई इसकी चर्चा करते हुए कहा कि गुरूदेव ने लोगों से पशु बलि बंद करने के लिए कहा तो कुछ मुखिया ने कहा कि गांव में जो खारे पानी की बावड़ी है उसका पानी मीठा हो जाए तो वह यह बलि बंद कर देंगे। उन्होंने भजन ''गाओं रे भाया गुरूवर रा गुण गाओ'' की भी प्रस्तुति दी। गुरूदेव की साधना व भक्ति का प्रताप था कि वह खारे पानी की बावड़ी मीठे पानी की बावड़ी में बदल गई। धर्मसभा में मधुर व्याख्यानी डॉ. दर्शनप्रभाजी म.सा. ने कहा कि गुरूदेव रूपचंदजी म.सा. गुणों की ऐसी प्रतिमूर्ति है कि उनका जितना गुणगान करें कम होगा। मरूधर केसरी पूज्य मिश्रीमलजी म.सा. की छवि उनमें नजर आती थी। जिस पर भी उनकी दृष्टि पड़ी ओर कृपा हो गई उसका जीवन ही बदल गया। उन्हें शेरे राजस्थान की उपाधि मेरठ में श्रमण संघ के वरिष्ठ संत श्री सुमतिप्रकाशजी म.सा. ने प्रदान की थी। उन्होंने हर वर्ग व समाज की सेवा करने के साथ सबको साता पहुंचाने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि गुरूदेव ने हमेशा संगठन में शक्ति का सिद्धांत मानते हुए संघ की एकता के लिए कार्य किया पर आज जैन समाज में तेरा-मेरा की भावना हावी होने से एकता का विघटन हो रहा ओर शक्ति का नाश हो रहा है। हम तस्वीर में साथ पर तकलीफ में अलग होते है जबकि कई समाज तस्वीर में अलग-अलग पर तकलीफ में एक होते है। साध्वीश्री ने कहा कि गुरूदेव की जर्यति पर सच्ची श्रद्धांजलि यहीं होगी कि हम जीव दया का संकल्प लेते हुए अपने व्यसनों का त्याग करें ओर जीवन को निर्मल पावन बनाएं।

दिवान नन्दलालजी झालरेवाली, तीनों नसियां, जयपुर में मुनिसुव्रतनाथ विधान पूजा का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दि० जैन नसियां दिवान नन्दलालजी झालरेवाली, तीनो नसियां, जयपुर (अधीनस्थ दि.जैन मंदिर पारसनाथ जी सोनियान- खवासजी का रास्ता, जयपुर) में ''मासिक श्री मुनिसुव्रतनाथ विधान पूजा'' भक्तिभाव से की गई। श्री दि० जैन नसियां दीवान नन्दलालजी (झालरेवाली) तीनों नसियां, जयपुर मे प्रातः 7.00 बजे नित्याभिषेक, शांतिधारा उपरांत मासिक श्री मुनिसुव्रतनाथ विधान पूजा, पुर्ण भक्तिभाव से आनंद पुर्वक उल्लास सहित की गई।

जैन समुदाय की सौभाग्यवती महिलाओं द्वारा आज सुहाग दशमी पर्व पर किया उपवास एवं की गई विशेष पूजा अर्चना

फागी. शाबाश इंडिया। पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में आर्यिका श्रुतमति माताजी आर्यिका सुबोध मति माताजी ससंघ के पावन सानिध्य में वषार्कालीन वाचना में अनेक धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं कार्यक्रमों की श्रृंखला में जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने अवगत कराया कि आज जैन समाज की सौभाग्यवती (विवाहित) महिलाओं द्वारा सुहाग दशमी के पावन पर जिनालयों में विशेष पूजा अर्चना करते हुए उपवास रखें तथा कथा श्रमण करते हुए धर्म लाभ प्राप्त किया। इसी कड़ी कस्बे के आदिनाथ जिनालय में समाज की वयोवृद्व शकुन्तला छाबड़ा ने अवगत कराया कि शादी के बाद विवाहित महिलाएं सुहाग दशमी पर दस वर्षों तक उपवास रखती है, समाज की प्रेम देवी दोषी ने बताया कि इस पर्व को सौभाग्य दशमी भी कहते हैं अक्षय दशमी पर्व मूल रूप से अंतराय कर्मों के नाश के लिए किया जाता है। समाज की चित्रा गोधा एवं मनभर कासलीवाल ने बताया कि सुगंध दशमी पर उपवास एवं पूजा जरूरी करनी चाहिए जिससे अक्षयफल की प्राप्ति होती है तथा पाप कर्मों का नाश होता है। लगातार 10वर्षों तक सुगंध दशमी पर उपवास करने के बाद शक्ति अनुसार उद्यापन किया जाता है और मंदिरों में उपकरण भेंट किए जाते हैं उक्त समय वयोवृद्व शकुन्तला छाबड़ा,श्रीमती कमला भंवसा,श्रीमती प्रेम दोषी,कमला कासलीवाल,मैना गंगवाल,मनभर कासलीवाल, चित्रा गोधा, मंजू छाबड़ा, राजकुमारी दोषी,रेखा मित्तल धमाणा,सीमा कासलीवाल, तथा प्रेम भंवसा, केलास कासलीवाल,राजाबाबु गोधा, ओमप्रकाश कासलीवाल, विरेन्द्र दोषी,राजेश छाबड़ा, शांतिलाल धमाणा, तथा एडवोकेट रविजैन सहित सभी श्रावक श्राविकाएं मोजूद थे।

भारतीय जैन मिलन का भ्रमण कार्यक्रम

एक दिन में हटा, बटियागढ़, खडेरी, शाहपुर गणेशगंज में 8 शाखाओं का गठन

मनीष विद्यार्थी. शाबाश इंडिया।

सागर। भारतीय जैन मिलन क्षेत्र क्रमांक 10 के भ्रमण कार्यक्रम के दौरान हटा बटियागढ़, खडेरी, शाहपुर गणेशगंज नवीन शाखाओं गठन किया गया। भारतीय जैन मिलन क्षेत्र क्रमांक 10 के अंतर्गत राष्ट्रीय मंत्री अतिवीर एड. कमलेन्द्र जैन , क्षेत्रीय अध्यक्ष अतिवीर अरुण चंदेरिया ,राष्ट्रीय संयोजक प्रचार प्रसार अतिवीर इंजी. महेश जैन, क्षेत्र कार्यवाहक अध्यक्ष वीर संजय जैन शक्कर ,क्षेत्रीय संयोजक शाखा विस्तार वीर मनीष जैन विद्यार्थी के द्वारा दमोह जिले के हटा ,बटियागढ़ ,खडेरी एवं सागर जिले के शाहपुर गणेशगंज में जैन मिलन पुरुष एवं महिला प्रकोष्ठ , नवीन शाखाओं का गठन किया गया। सभी स्थानों पर पदाधिकारियों का स्वागत सत्कार किया गया। सभी ने अपने विचार रखे, जिसमें जैन मिलन के राष्ट्रीय मंत्री कमलेंद्र जैन ने कहां की वर्तमान समय में हमें अगर स्वयं की रक्षा करनी है तो हमें स्वस्थ रहना पड़ता है।

आधुनिक टेक्नोलॉजी से
छत को रखे वाटरप्रूफ,
हीटप्रूफ, वेदर प्रूफ पायें
सीलन, लीकेज और गर्मी से राहत
For Your New & Old Construction
छत व दीवारों का बिना तोड़फोड़ के सीलन का निवारण
DOLPHIN
WATERPROOFING SERVICES
RAJENDRA JAIN 80036-14691 | PANKAJ JAIN 93145-12909
116/183, Agarwal Farm, Mansarovar, Jaipur

महिला मण्डलों ने सामूहिक शांतिनाथ मण्डल विधान की विशेष पूजा अर्चना की

विमल जोला. शाबाश इंडिया

निवाई। जैन मुनि शुद्ध सागर महाराज के सानिध्य में बिचला मंदिर में महिला मण्डल द्वारा शांतिनाथ मण्डल विधान का आयोजन किया गया जिसमें महिलाओं की भीड़ उमड़ पड़ी। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला ने बताया कि विश्व में शांति की कामना के लिए सुहाग दशमी पर्व मनाया जहां महिलाओं ने लहरिया पहनकर शनिवार को बिचला मंदिर में शांतिनाथ मण्डल विधान की रचना हुई। जौंला ने बताया कि पण्डित सुरेश कुमार शास्त्री के निर्देशन में सैकड़ों महिलाओं ने पांच मंगल कलशों की स्थापना करके समवशरण रचाया जिसमें संगीत एवं भक्ति भाव से देव शास्त्र और गुरु मूलनायक भगवान शांतिनाथ पूजा के साथ शांतिनाथ मण्डल विधान की विशेष पूजा अर्चना की। जिस पर महिलाओं ने जमकर भक्ति नृत्य किया। जौंला ने बताया कि विधान में इन्द्र एवं इन्द्राणियो ने भक्ति पूर्वक आराधना कर 120 श्री फल अर्ध्य चढ़ाकर मण्डप पर समर्पित किये। इस दौरान सभी महिलाएं मुनि शुद्ध सागर महाराज की पूजा अर्चना करके मुनि श्री के समक्ष श्री फल चढ़ाकर आशीर्वाद लिया। शनिवार को शांतिनाथ भवन में जैन मुनि शुद्ध सागर महाराज ने श्रद्धालुओं को संबोधित किया एवं गणाचार्य विराग सागर महाराज एवं आचार्य श्री विशुद्ध सागर महाराज की पूजा अर्चना की।

सुरक्षित स्कूल, सुरक्षित राजस्थान का आयोजन

रावतसर. शाबाश इंडिया

आज राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रावतसर मे शिक्षा सचिव के निदेर्शानुसार सुरक्षित स्कूल, सुरक्षित राजस्थान का आयोजन कर सभी विद्यार्थियों को अलग अलग ग्रुप बनाकर छात्र- छात्राओं गुड टच बैड टच की जानकारी प्रदान कर प्रशिक्षण प्रदान किया गया । ताकि सभी विद्यार्थियों को सही और गलत स्पर्श की जानकारी हो और समय रहते वो अपने आप को सुरक्षित करें और इसके साथ साथ आत्मरक्षा का प्रशिक्षण भी छात्राओं को प्रदान किया गया। उपरोक्त सभी की जानकारी छात्राओं को प्रशिक्षित शिक्षक श्रीमती दयावती वरिष्ठ अध्यापक एवं श्रीमती गुलाबों देवी द्वारा प्रोजेक्टर के माध्यम से पीपीटी दिखा कर तथा फ्लेक्स के माध्यम से प्रदान की गई। ताकि छात्राएं अच्छे और गलत स्पर्श की पहचान कर विद्यालय, घर,और अन्य जगहों पर अपने आप को सुरक्षित कर सकें। इस अवसर पर समस्त महिला स्टाफ श्रीमती अल्का व्याख्याता,श्रीमती किरण निवाद व्याख्याता,श्रीमती सरिता त्यागी, श्रीमती सुमित्रा देवी आदि उपस्थित रहे। इसके पश्चात विद्यालय के सभी छात्रों को भी गुड टच एवं बैड टच का प्रशिक्षण रामप्रताप, सुभाषचंद्र, रामप्रसाद, भूराराम ने प्रदान किया इस अवसर पर एसडीएम रावतसर रविकुमार, प्रधानाचार्य सत्यदेव राठौड़, शारिरिक शिक्षक राजीव कुमार गोदारा सहित समस्त विद्यालय स्टाफ भी उपस्थित रहे।

अन्तर्मना आचार्य प्रसन्न सागर जी महाराज के प्रवचन से....

जो आप कर्म कर रहे हो, उस पर खुद को ही ध्यान देना होगा..
क्योंकि ना किसी की दुआ खाली जाती है, ना बद्दुआ..!

आज की दौड़ती भागती ज़िन्दगी में, एक नया दौर शुरू हुआ है - वह दौर है असुरक्षा का भय। आज हमारी बहिन, बेटियाँ, महिलाओं का चरित्र सुरक्षित नहीं है। कानून अपना काम करेगा, सरकार अपना काम करेगी और कर्म अपना काम करेगा। हम दुनिया की नजरों से बच सकते हैं, लेकिन खुद और खुदा की नजरों से नहीं बच सकते। हम विचार करें कि तकनीकि विकास और चरित्र का ह्रास, यह कैसा विकास है भाई- ? शायद विकास की आड़ में ही हम अपराधी बनते जा रहे हैं। मैं देख रहा हूँ -- आजकल छोटी छोटी बहिन बच्चीयों का चरित्र भी सुरक्षित नहीं रह पा रहा है। आश्चर्य तो तब होता है जब बहिन बच्चीयों के चरित्र के साथ हमारे अपने परिवार और रिश्तेदार ही होते हैं।अधिकांश परिवार और रिश्तों की आड़ में ही चरित्र के साथ खिलवाड़ हो रहा है। कभी कभी कुछ लोगों का उपचार बातों से नहीं दण्ड देकर भी करना पड़ता है। दण्ड कानून देता है, परिवार समझाइश करता है और कर्म मार मारता है। फिर कोई भी बचाने नहीं आता। इसलिए जो भी कर्म करो, उसके फल को भोगने के लिये तैयार हो कर करो। जैसा कर्म करोगे वैसा फल देगा भगवान। नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

तीर्थों के निर्माण से जीवन का निर्माण संभव है : गुरू माँ विज्ञाश्री माताजी

जयपुर. शाबाश इंडिया। गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी के सान्निध्य में भक्तों ने शांतिप्रभु की अखण्ड शान्तिधारा सम्पन्न की। सर्वप्रथम जिनाभिषेक करने का सौभाग्य प्रदीप चाँदवाड जनकपुरी जयपुर वालों को प्राप्त हुआ। तत्पश्चात शान्तिधारा करने का सौभाग्य राकेश बाकलीवाल जयपुर , प्रेमचन्द टोडारायसिंह वालों ने प्राप्त किया। गुरु माँ की निरन्तराय आहार चर्या सम्पन्न कराने का सौभाग्य सकल दिगम्बर जैन समाज विवेक विहार, जयपुर वालों को प्राप्त हुआ । श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ क्षेत्र का निर्माण कार्य तीव्र गति से प्रारम्भ हो चुका है। गुरु माँ ने प्रवचन देते हुए भक्तों से कहा कि - प्रत्येक प्राणी गतिशील है । निरन्तर विविध वस्तुओं का निर्माण करना उसका स्वभाव है । राग , द्वेष , क्रोध , मान , माया , लोभ रूपी महल का निर्माण तो अनादिकाल से चल रहा है परंतु जो मानव तन - मन - धन से तीर्थों के निर्माण में सहयोग करता है उसी के जीवन का निर्माण संभव है। संध्याकालीन आरती एवं शांतिमंत्र के जाप का आयोजन गुरुभक्तों द्वारा संपन्न किया गया।

महिलाओं ने रखा सोभाग्य दशमी व्रत : व्रत में की गई भगवान शीतल नाथ की विशेष पूजा भक्ति

जयपुर. शाबाश इंडिया

जनकपुरी-ज्योतिनगर जैन समाज की धमार्नुरागी महिलाओं ने शनिवार को त्याग-तपस्या के साथ सौभाग्य दशमी (सुहाग दशमी) मनाई। मन्दिर समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया कि इस अवसर पर सौभाग्यवती महिलाओं ने जैन धर्म के 10वें तीर्थंकर भगवान शीतलनाथ की अष्टद्रव्यों से भक्ति पूर्वक पूजा-आराधना, स्तुती, वंदना, जाप, आदि करने के साथ ही सौभाग्य दशमी का उपवास रख सभी की सुख-समृद्धि व शांति की मंगल कामना की। आज प्रातः विशेष रूप से लहरिया पहन कर महिलायें मन्दिर जी आयी तथा सभी ने भगवान के दर्शन, अभिषेक व शान्तिधारा देखकर भगवान के गंधोधक को शिरोधार्य किया। यहाँ चातुर्मासरत युवा आर्यिका विशेष मती माताजी ने अपने संदेश मे संयम पूर्वक तप-आराधना करने पर जोर दिया। महिलाओं ने सौभाग्य दशमी के उपवास करने का तथा उपवास के दौरान मंत्र जाप, पाठ, शास्त्र ग्रन्थों का स्वाध्याय आदि करने का महत्व कथा के माध्यम से समझा । पूजा में सहयोग किरण जैन द्वारा किया गया।

आपाके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर **'शाबाश इंडिया'** आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

वैश्य महापंचायत की तैयारियां जोरों पर

17 सितम्बर को महापंचायत एवं 10 सितम्बर को होगी वैश्य मैराथन महावीर स्कूल में हुई बैठक में बनाई रूपरेखा

जयपुर. शाबाश इंडिया

वैश्य समाज की 17 सितम्बर को होने वाली महापंचायत एवं इससे पूर्व 10 सितम्बर को होने वाली मैराथन दौड़ की रुपरेखा बनाने के लिए वैश्य समाज के सभी घटकों के पदाधिकारियों की सी-स्कीम स्थित महावीर स्कूल में बैठक आयोजित की गई। बैठक में दिगम्बर जैन, श्वेताम्बर जैन, अग्रवाल, खण्डेलवाल, माहेश्वरी, विजयवर्गीय सहित सभी घटकों के सैकड़ों पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल हुए। प्रदेश संयोजक राकेश गुप्ता ने बताया कि बैठक में सभी पदाधिकारियों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि जयपुर सहित सभी जिलों में लोग घर घर जाकर 10 सितम्बर को होने वाली मैराथन तथा 17 सितम्बर को आयोजित महापंचायत में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु सभी वैश्य बन्धुओं से अनुरोध करेंगे। वैश्य महापंचायत के समारोह अध्यक्ष समाजसेवी प्रदीप मित्तल होंगे। प्रदेश के सभी 50 जिलों में महापंचायत के लिए संयोजक बनाएं जा रहे हैं। पूरे जिलों में सम्पर्क करने के लिए सभी घटकों को मिलाकर अलग-अलग टीमें बनाई जाएगी। वैश्य समाज को एकजुट होकर महापंचायत में उपस्थित होने के लिए ये टीमें कार्रवाई करेगी। प्रदेश प्रवक्ता कमल बाबू जैन एवं महापंचायत टीम में सक्रियता से जुड़े हुए विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि जयपुर में 250 वार्डों में प्रचार प्रसार एवं लोगों को जोड़ने के लिए हर वार्ड में 20-20 लोगों की टीम का गठन किया जाएगा। गुप्ता ने दावा किया कि इस महापंचायत में पूरे प्रदेश से लगभग 6-7 लाख लोग शामिल होंगे।

10 सितम्बर को महावीर स्कूल से रवाना होगी मैराथन

रविवार,10 सितम्बर को सुबह 6.00 बजे सी-स्कीम स्थित महावीर स्कूल से मैराथन रवाना होगी जो एम आई रोड, अजमेरी गेट,छोटी चौपड़, त्रिपोलिया बाजार, चौड़ा रास्ता होते हुए रामलीला मैदान पहुंचकर समाप्त होगी। इस मैराथन में बुजुर्ग, पुरुष, युवा,महिलाएं, बच्चे सामाजिक एकता के लिए एक साथ दौड़ेंगे। मैराथन के लिए ड्रेस कोड की थीम रेड रहेगी।इस तरह की मैराथन पूरे प्रदेश में अलग-अलग शहरों में आयोजित होगी। बैठक में दिगम्बर जैन समाज से उमराव मल संघी, सुभाष चन्द जैन, श्वेताम्बर समाज से नरेश मेहता,महेन्द्र सिंघवी,माहेश्वरी समाज से केदार भाला,एस एन काबरा, अग्रवाल समाज से चन्द्र प्रकाश भाड़े वाला, खण्डेलवाल समाज से चन्द्र मोहन बटवाडा, विजयवर्गीय समाज से राकेश विजयवर्गीय, व्यापार मण्डल से सुभाष गोयल, सुरेन्द्र बज ,ललित पोद्दार,संजय जैन, प्रदीप जैन, विनोद जैन कोटखावदा सहित सभी घटकों से गणमान्य श्रेष्ठीजनों ने आयोजन को सफल बनाने के लिए अपना योगदान देने का संकल्प लिया। मातृशक्ति के रूप में संतोष फतेहपुरिया,रीमा गर्ग,अनीता पोद्दार, शैफाली जैन, इंदिरा बड़जात्या,सारिका जैन,मृदुला पंसारी, शकुन्तला विजयवर्गीय आदि ने टीमें बनाकर घर घर सम्पर्क कर मैराथन व महापंचायत में अधिक से अधिक महिलाओं को लाने का संकल्प लिया। प्रदेश प्रवक्ता कमल बाबू जैन व प्रचारक अभिषेक जैन बिट्टू ने बताया कि महापंचायत के लिए जयपुर हैरिटेज क्षेत्र में महावीर स्कूल एवं ग्रेटर क्षेत्र में एस एफ एस पल होटल रुद्र विलास पर कार्यालय स्थापित किए गये है। कार्यालय पर रोजाना दोपहर 3 बजे से सायंकाल 6 बजे तक कोर कमेटी की मीटिंग होगी जो दिन प्रतिदिन की रुपरेखा तय करेगी। बैठक में माहेश्वरी समाज, खण्डेलवाल समाज, अग्रवाल समाज,जैन समाज, विजयवर्गीय समाज के पदाधिकारियों ने अपने परिसर, धर्मशाला, स्कूल आदि 16-17 सितम्बर को वैश्य महापंचायत में आने वाले वैश्य बन्धुओं के लिए निः शुल्क उपलब्ध करवाने की घोषणा की। इससे पूर्व लक्ष्मी जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन से बैठक शुरू हुई। समापन पर राष्ट्र गान हुआ।

सुहाग दशमी पर्व पर सोभाग्यवती महिलाओं ने रखा उपवास

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। दिगम्बर जैन धर्मावलंबियों की ओर से शनिवार को सुहाग दशमी पर्व मनाया गया। इस अवसर पर सुहागिनों ने अपने पति के दीघार्यु होने की कामना को लेकर निराहार रहकर उपवास किया। प्रातः से ही सुहागिन महिलाएं लहरिया धारण कर मंदिरों मे आई जहां उन्होंने विशेष पूजा अर्चना की। उपवास करने वाली महिलाओं के लिए जैन महिला महासमिति की ओर से दोपहर में विभिन्न धार्मिक प्रतियोगिताएं आयोजित की गयी। यह जानकारी दिगम्बर जैन छोटा धड़ा पंचायत के अध्यक्ष ओमप्रकाश बड़जात्या ने दी।

48 दिवसीय भक्तामर पाठ 12वां दिन भक्ति के साथ संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन मंदिर गायत्री नगर, महारानी फार्म में 48 दिवसीय भक्तामर पाठ का 12वॉ दिन सुहाग दशमी के पावन अवसर पर भक्ति के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम संयोजिका अनीता बड़जात्या, डॉ अनीता वैद ,विमला जैन एवं ज्योति जैन के अनुसार सर्वप्रथम णमोकार महामंत्र पाठ के पश्चात 48 दिन के पुण्यार्जक परिवार संजय नीलम ठोलिया, पवन शोभा सेठी ,बसंत अतीव बाकलीवाल ,राजेश चैताली बोहरा, संतोष कांता बांस्खो वाले, सुनील जी लता जी सोगानी सारसमल जी पदम जी झांझरी, अशोक विमला पापड़ीवाल, सुनील सोगानी शिल्पी सोगानी, 26 अगस्त 2022 के पुण्यार्जक संजय राजीव अतुल जी सेठी, शैलेश रेखा पापड़ीवाल परिवार ने दीप प्रज्ज्वलन कर पाठ का शुभारंभ कराया।

सेल्फ डिफेंस वर्कशाप का सफल आयोजन

श्री महावीर जी. शाबाश इंडिया

रोटरी क्लब जयपुर के द्वारा श्री दिगम्बर जैन आदर्श महिला महाविद्यालय, श्री महावीर जी, जिला करौली, राजस्थान में ''सेल्फ डिफेंस वर्कशाप'' का सफल आयोजन 26 अगस्त 2023 को किया गया। रोटरी आत्मरक्षा कार्यशाला में लगभग 500 छात्राओं को प्रशिक्षण दिया गया । शिहान हेमन्त कुमार, संसई इन्द्रा कुमारी एवं उनकी टीम तथा रोटे डा. पल्लवी सिंघवी, चेयरमैन रोटरी सैल्फ डिफेन्स एकेडमी द्वारा विभिन्न शारीरिक और गैर शारीरिक आत्मरक्षा तकनीक के बारे में विस्तार से समझाया गया। कार्यशाला में छात्राओं के उत्साहवर्धन के लिए अध्यक्ष रोटे उजास चंद जैन,रोटे प्रमिला जैन,सचिव रोटे पीयूष जैन, सह सचिव रोटे श्रीकिशन शर्मा, पी रोटे सी ए एस एल गंगवाल, रोटे सुशीला देवी जैन, उपाध्यक्ष रोटे महेंद्र शर्मा, अध्यक्ष निर्वाचित रोटे गिरधर महेश्वरी, अध्यक्ष नॉमिनी रोटे सी ए दुर्गेश पुरोहित, डायरेक्टर रोटे शिल्पा बेंद्रे, रोटे प्रदीप ठोलिया, श्रीमती लता ठोलिया मौजूद रहे।

रूपमुनि मुनि जी महाराज का 98 वांजन्मोत्सव गुणगान के साथ मनाया गया , साहूकार पेठ में

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नई। श्री एस.एस.जैन भवन साहूकार पेठ में शनिवार को लोकमान्य संत शेरे राजस्थान प्रवर्तक रूपमुनि जी महाराज के 98 वें जन्मोत्सव पर महासती धर्मप्रभा ने उनके व्यक्तित्व एवं कत्यित्व के गुणों का बखान करतें हुए श्रध्दांलूओ को बताया कि पूज्य गुरूदेव रूपमुनि जी महाराज जैन समाज ही नहीं छत्तीस की कौम के संत रत्न थे। सभी उन्हें भगवान कि तरह मानते थे। गुरूदेव के मुख से निकले वचन सदैव सत्य हो जाते थे। श्रमणसंघ की स्थापना में गुरूदेव मरूधर केसरी मिश्रीमल जी म.सा के साथ रूपमुनि ने प्रधान कर्ण धार बनकर जैन समाज की सभी सम्रदायों के संतो को एक जूट करने मे अपनी

महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए संघठन को एक सूत्र मे बांधकर श्रमण संघ को मजबूत बनाया। संतो और समाज मे जब - जब भी संकट आये उन विषम परिस्थितियों मे संकट मोचन बनकर गुरूदेव मिश्रीमल जी म.सा के साथ संतो और समाज के संकटों का संत सम्मेलन मे निपटारा करवाया। गुरूदेवो कि प्रेरणा पर राजस्थान ही नहीं सम्पूर्ण देश के अनेको जगह गायों कि रक्षा के लिए गौशालाएं बनवाई गई। जो आज भी वह गौशालाएं सुचारू रूप से सभी जगह चल रही है, और गौशाला ओं मे गायों कि सुरक्षा एवं रक्षा गुरूदेव के भक्तो द्वारा कि जा रही है। श्रमण संघ के आचार्य आनंद ऋषि जी एवं अन्य सभी संत भी मरूधर केसरी मिश्रीमल जी एवं रूपमुनि जी महाराज की हर बात को मानते थे। राजस्थान के नाडोल मे गोस्वामी परिवार मे जन्म लेकर जैन धर्म को सम्पूर्ण देश में जन-जन फैलाया गुरूदेव के उपकारो कौई नहीं भूला सकता है। संत हो या गृहस्थ या राजनेता जो गुरूदेव के पास घंटों- घंटो तक बैठ और अपनी समस्याएं गुरूदेव को बताते।